

भारत

व्याजिक

एक सौ रु

RS. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

भारत

भारत

भारत

भारत



137443

137443

मोक्षदानाधिकारी
अनरेन्द कुमार मादव लखोटे

मैं ईश्वरी सुमारी द्विजेत सुजजी उदयभान द्विजेदो
निवासी ग्राम गोपीनाथपुर पोस्ट बरुआ परगना -वांदा
तहसील जम्शुजा जिला सुलतानपुर का हूँ एक मानव
होने के नाते मैंने परीपना २ सर्व समाजसेवा की भावना
से धरित डॉक्टर संस्थाप / संरक्षक की हेसियत से एक
सामाजिक एवं शैक्षणिक ट्रस्ट का गठन करने का निश्चय
लिमा हे मैं इस ट्रस्ट का नाम रूपी जीवसेवा ट्रस्ट
रख रहा हूँ यदि इस नाम के किसी अन्य संस्थान से एक
रूपता हो रहा है तो वह गठन संयोग देखा बकि किसी का
अनुमोदन होगा

इस ट्रस्ट के प्रमुख उद्देश्य लिखे लिखित हैं

1. शुद्धी कुल द्विजेत मोक्षदानाधिकारी

गो संजय कुमार द्विजेत राजेश्वर गो गो गोपीनाथपुरीग्राम 5/08 रविवार
ग्राम व पो. - परसदा निवा
सुलतानपुर
ग्राम व पो. धीरवार्ये भिला
सम्बेडके जंगल
उप निवासे वाकुपु

31/100

Handwritten text at the top of the page, including the name 'Sri Sri Sri' and other illegible characters.

Handwritten text in the upper left quadrant, possibly a title or address.

Handwritten text on the left side, possibly a name or address.

Handwritten text in the center, possibly a name or address.

Rectangular stamp with the date '2 MAY 2008' and other illegible text.

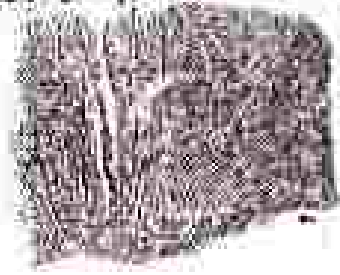
Handwritten text on the left side, possibly a name or address.

Main body of handwritten text, including a signature and a circular stamp on the right side.

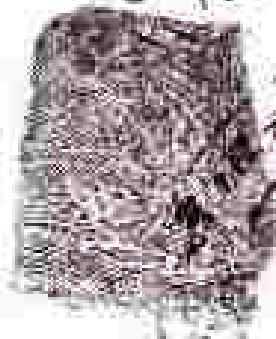
Handwritten text on the left side, possibly a name or address.

Handwritten text in the lower middle section, including a signature and a circular stamp.

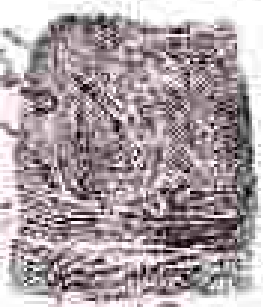
Handwritten text on the left side, possibly a name or address.



Handwritten text below the first textured stamp, possibly a name or address.

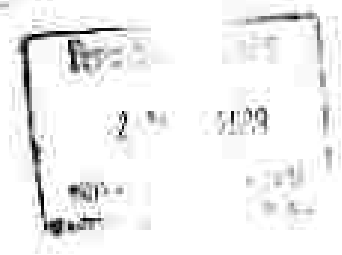


Handwritten text below the second textured stamp, possibly a name or address.



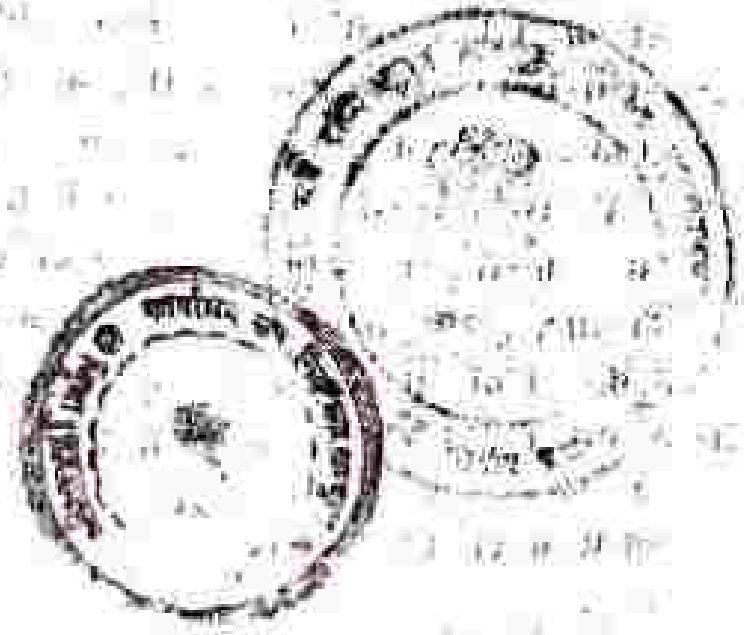
Handwritten text at the bottom right corner, possibly a signature or initials.

Handwritten notes at the top of the page, including the number '201' and some illegible scribbles.



Vertical column of handwritten text on the left side of the page, containing approximately 15 lines of illegible script.

Vertical column of handwritten text on the right side of the page, containing approximately 10 lines of illegible script.

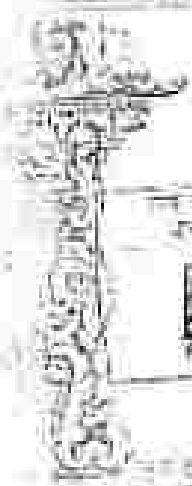
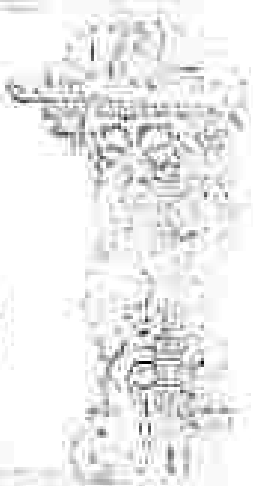


Final lines of handwritten text at the bottom of the page, appearing as a few scattered lines of illegible script.

भारत

साथिक

पचास
रुपये
रु.50



FIFTY
RUPEES

RS.50

INDIA

JUDICIAL

304672

उत्तर प्रदेश

- 4- हरिजन, निर्मलजन्म, पीछे जाति, अमीनो आदिकैलिस सरकार द्वारा-नलाये यकी भोजनायो द्वारा इन्हे-आयोजित करणे के लिये योग्य करना
- 6- सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा सरकार की नीतियों का प्रमोण क्षेत्रों में प्रचार प्रसार करना
- 7- शारीरिक रूप से विकलांग तथा मानसिक विकलांग मुहक अपोहज रूप संक्रामक रोगों के ग्रस्त निराश्रित लोगों, बच्चों/युवकों/प्रीति को आत्म निर्भर बनाने के लिए शिक्षा, चिकित्सा रखने के लिए परन्तु शिक्षा निःशुल्क एवं पुनर्वास की व्यवस्था करना
- 8- आर.सी. संघ कार्यक्रमों के माध्यम से पीरवार कल्याण मन्डालय द्वारा स्वयंसेवक पीरवार कल्याण संघों के कार्यक्रमों को सम्पादित करना निःशुल्क थैरिटेबुल-अन्वयता, पीरवार कल्याण परामर्श केन्द्र व वच्चाकेन्द्र को व्यवस्था करने के लिये प्रचारण, सुनायन-जांच व उपचार करना, भारतीय चिकित्सा पद्धति का संरक्षण तथा प्रचार-प्रसार करना

मुख्य मुद्रा विभाग

मुख्य मुद्रा विभाग



भारत

10 सिटी (उत्तर प्रदेश)

एन. सिटी (उत्तर प्रदेश)

भारतीय न्यायिक

पचास
रुपये
रु. 50



FIFTY
RUPEES

20 MAR 1958
RS. 50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 304673

10. वैयक्तिक ऊर्जा स्रोतों, त्रि-लिमिटेड अन्त, सड़क सुरक्षा, उपभोक्ता संरक्षण, बंधुओं या भजदूरी इन्धुलन देहज - इन्धुलन, गद्य विधेय, आडेलाओं को सभानताका अधिकार पन्नामतीनाज भारत सत्कार को भोजनजोके प्रचार - 1 प्र सारके गैलेभे कामरुता कार्यकन तथा सर्वान्धिसअन्य कार्यक्रमों का त्रि भागवमन करना
11. खाद्य प्रसंस्करण एवं फल संरक्षण के कार्यक्रमों को संचालित करना तथा केन्द्र सरकार की कृषि नीतियों को त्रि भागवत करने के लिस्ट कार्य करना, कृषि विज्ञान केन्द्रकी स्थापना कृषक प्रशिक्षण केन्द्र एवं 'गैप उत्पादन तथा विपणन' के क्षेत्र में प्रशिक्षण ना का करना
12. बढ़ती वैशम्यवृद्धि को रोकने का प्रयास करना, इस काम में लिप्त लोगों के पुनर्वास, शिक्षण-प्रशिक्षण की व्यवस्था करना तथा सड़सके प्रति लोगों की जागरूक करनेका कार्य करना -
13. पर्यावरण सुरक्षा हेतु बुझायेका, ऊसर भूमि सुधार गौनालम उपजागरण, सार्वजनिक आन्दोलन, स्वच्छ-मल आपूर्ति आदि कार्यक्रमों का प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा प्रचार प्रसार का कार्य करना

उत्तरी उत्तर प्रदेश

उत्तरी उत्तर प्रदेश



इसके की त्रिपती (गठारण)

चप दिवस के मुद्रा

[Handwritten notes at the top of the page, including the number 200000]

200000
200000
200000

[Faint, mostly illegible handwritten text in the middle section of the page]

[Faint handwritten text at the bottom left of the page]



[Faint handwritten text at the very bottom of the page]

भारतीय

सायिक

पचास
रुपये

FIFTY
RUPEES

23 MAR 2008

रु.50

Rs.50

INDIA

JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 302674

- 11. खादी आन्दोलन को प्रोत्साहित करके स्वदेशी वस्त्रों का उपयोग करना तथा स्वदेशी वस्त्रों को पहनने की आस्था उत्पन्न करने हेतु खादी बोर्ड/आयोग को स्वदेशी वस्त्रों के शिक्षण, प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण केन्द्रों का अन्वेषण करना तथा स्वदेशी वस्त्रों के अन्वेषण के लिए प्रशिक्षण केन्द्रों का अन्वेषण करना
- 12. लोगों को अल्प कृषक प्रति प्रेरित करना तथा स्वरोजगार के लिए कृषक उपलब्ध उपलब्ध करने में सहयोग करना तथा इसके लिए शक्ति संचालन, आर्बिट्रिडजी आदि से कृषक/अनुदान प्राप्त करना
- 13. पशु उत्पादन योजनाओं को निःशुल्क चिकित्सा, पुनर्वसन की व्यवस्था करना, विशेषकर छोटे-छोटे जीव-जन्तुओं के संवर्धन व संरक्षण हेतु प्रशिक्षण/अनुदान करना
- 14. मत्स्य पालन विभाग, जल संसाधन विभाग से अनुदान एवं सहायता प्राप्त करना

उत्तर प्रदेश सरकार

उत्तर प्रदेश सरकार



मुख्य न्यायाधीश (अधीनस्थ)
मुख्य न्यायाधीश

आरक्षण

याचिक

पचास
रुपये

रु. 50

INDIA

FIFTY
RUPEES

70-42 7000

Rs. 50

INDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 304674

11. खास मामेलीय सेवा
स्थापना करी जावनी
मरणा तथा आरोग्य
विभरता को भावना
मोड/आयोग को लवरी
लिह प्रशिक्षणित्तो
संस्था के लक्ष्येन
करना

आरक्षणित्तु उद्योगको
विभरता को अवसर प्रदान
संस्था लक्ष्येन स्व
जात
करते हुए उन्हे
प्रशिक्षण प्रशिक्षणित्तु
आगतता समस्त
आगतता को
करते देवुन को को
करना

12. लोगों को अव्यक्त
मे लिह कर्ण उपलब्ध
तथा इसी लिये संस्था
से कर्ण/अनुदान प्राप्त
करना

अनुदानित्तु करना तथा स्वरोजगार
मे सहयोग करवा
महिला नौष, बाबडि सिडको आदि
करना

13. पशु उत्पादन
को व्यवस्था करना, वि
व संवर्धन हेतु प्रभास
करना

पशु उत्पादन, पुनर्वास
जो हेतु जीव-जन्तुओं के संवर्धन
करना

14. मत्स्य पालन विज्ञान
सर्व सहायता प्राप्त करना

मत्स्य पालन विज्ञान
अनुदान

श्री श्री कृष्ण मिश्र

श्री श्री राम शर्मा



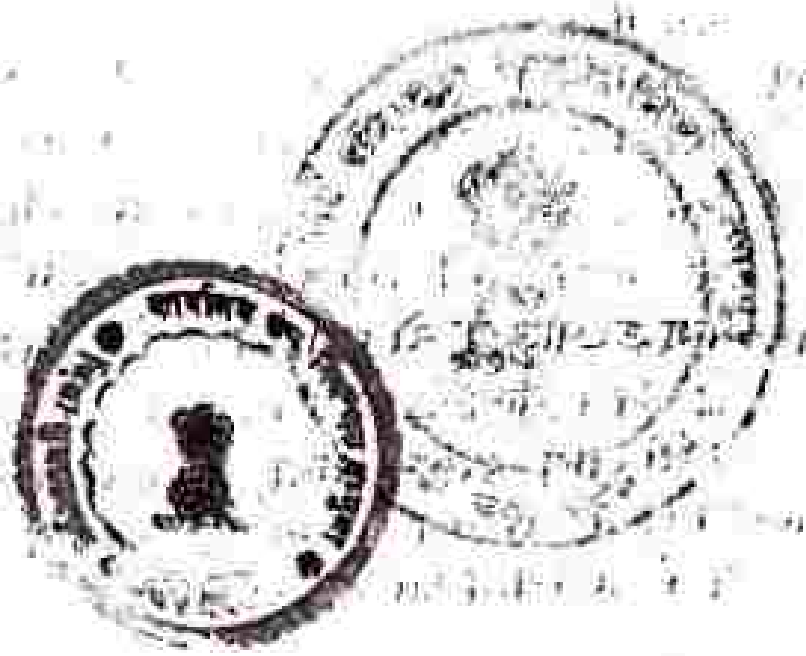
उत्तर प्रदेश सरकार (अनुदान)
सं. 10/10/74

Handwritten notes at the top of the page, including the number '10' and some illegible text.

Rectangular stamp with the date '2 MAR 2008' in the center. The text above and below the date is partially illegible but appears to be in Hindi or a similar South Asian script.

Two columns of handwritten text in Hindi, located in the middle section of the page. The text is somewhat faded and difficult to read.

Additional handwritten text on the left side of the page, below the main body of text.



Handwritten text at the bottom right of the page, possibly a signature or a date.

पचास
रुपये
रु.50



INDIA

FIFTY
RUPEES
23 MAR 1958
Rs.50



JUDICIAL

प्रदेश UTTAR PRADESH

C 304675

- 17- विज्ञान का जीवन में उपयोग के द्वारा जनसाधारणको जागरूक बनाना, तकनीक पर आधारित शिक्षण लागत में भ्रमण/आवास सुविधा प्रदान/दैनिक उपयोग के वस्तुओं से सम्बन्धित-
प्रशिक्षण की व्यवस्था करना तथा तकनीकी स्थानान्तरण तथा प्रसार की व्यवस्था करना -
- 18- आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति, जनजाति तथा धारुणता के सामाजिक, वैज्ञानिक/सांस्कृतिक विकास के अवस्था करना -
- 20- केन्द्र/राज्य के अन्तर्गत विभागों तथा उनके सम्बन्धित विभागों के कार्यकुशलों को प्रशिक्षित करना उनके विभागों/अनुमोदित द्वारा बनाने पर ही योजनाओं को सही ढंग से तक पहुँचाने के लिए प्रयत्न करना -
- 21- विद्यालय, न्यायपालना, अस्पताल, औद्योगिक, जनापाठय, व्यायामशाला, श्रमशिक्षण आदि में शिक्षण निर्वाहक, आ-आशा इत्यादि का निर्वाहक, सांस्कृतिक स्वाच्छन्दैयिक प्रयत्न करना तथा बच्चों/युवाओं को प्रेरित करना तथा उन्हें समाज में पोजीटिव स्थापित करने का प्रयत्न करना -

अखिल भारतीय

संघ



1958

संघ के विभागीय कार्यालय
अखिल भारतीय संघ

पचास
रुपये

रु. 50

INDIA

FIFTY
RUPEES

Rs. 50

INDIA

Uttar Pradesh

1. राष्ट्रीय सेवा प्रदर्शनी, योधापल घनाशन, वि. प्र. का प्रकाशन करना

2. परम्परागत सांस्कृतिक लोकगीत, आख्या, जैतों को पुनः जागृत करना, प्रोत्साहन व अभुसंचान का कार्य करना

3. संस्था का मुख्य उद्देश्य एवं रूप में सम्पूर्ण कार्यो का निर्माण पर व्यय करना, निरुद्ध/राज्य सरकारों से व कर्षण प्राप्त करना तथा प्रोत्साहन देना है

4. कार्य क्षेत्र में विज्ञान, शैक्षिक/गोडवा/दीक्षा, कि शैक्षिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विनाश करना संस्था की शाखाय/वि.

5. 304676
कार/कार्यशाखा कार्यक्रम, सांस्कृतिक, कार्यो के लिए पुरस्कार की व्यवस्था

6. स्थो को बढ़ावा देना, लोक श्रुत, गीतों को विलुप्त हो रही परम्पराओं व आचरण, संगीत आदि के प्रचार प्रसार कार्य करना

7. रक्षा अधिकारी (पेरिस्टेबुल) संस्था के कार्य के उद्देश्यों की प्रतिस्थापना, निरुद्ध/राज्य सरकारों से व कर्षण प्राप्त करना तथा प्रोत्साहन देना है

8. सामाजिक विकास के कार्यों को सहायता प्रदान करना, युवाओं को प्रोत्साहित करना, शैक्षिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विनाश करना संस्था की शाखाय/वि. प्र. का प्रकाशन करना



उत्तर प्रदेश सरकार

राज्य सेवा वि. प्र. कार्यालय

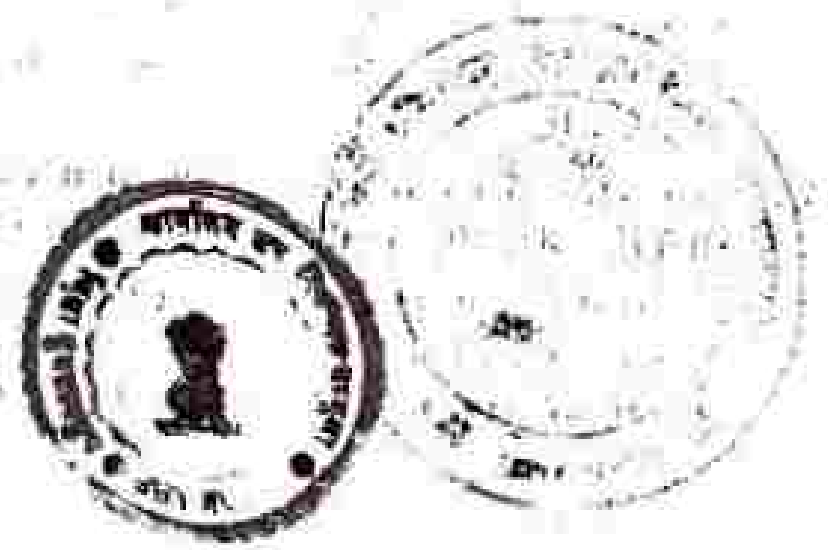
राज्य सेवा वि. प्र. कार्यालय

607 7/22



The following text is extremely faint and illegible. It appears to be a list of items or a set of instructions, possibly related to the diagram above. The text is arranged in several lines and columns, but the characters are too light to be transcribed accurately.

The following text is also very faint and illegible. It seems to be a continuation of the list or instructions from the previous block.



भारतीय

व्यायिक

पचास
रुपये

रु. 50

FIFTY
RUPEES

20 MAR 2018
Rs. 50

INDIA, 1950

JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 304677

- 16. व्यावसायिक एवं कृषि विभाजित प्रचार प्रसार के लिए केन्द्रिय स्तर तथा प्रयोगात्मक प्रयोगों को व्यवस्था करना —
- 17. पंचायत राज (जन संगठन क्षेत्र) विकास की प्रक्रिया के माध्यम से अकृषि भूमि एवं जल संयोजन विभाजित कार्यों का सम्पादन —
- 18. सन/भारत सरकार के अर्थभाग से क्रियान्वित करना —
- 19. जरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले लोगों के विकास एवं आत्मनिर्भर बनने हेतु विकास कार्यों का क्रियान्वयन करना —
- 20. संस्था का उद्देश्य सरकारों/गैर सरकारी संस्थानों से सड़क निर्माण आवास, सरकारी/गैर सरकारी कार्यालयों का सरकारी अटल/अनुदान के माध्यम से निर्माण, अरम्भ, रख-रखाव तथा सुरक्षा सम्बन्धी कार्यों करना —
- 21. सामुदायिक स्वास्थ्य सम्बन्धी अनेक विधियों का संचालन —
- 22. नाटिका सजावटी कार्य (कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करना —
- 23. विभाजित प्रचार प्रसार हेतु तकनीकी, व्यावसायिक व विधि शिक्षण संस्थाओं को स्थापना तथा संचालन की व्यवस्था करना —
- 24. स्वास्थ्य, स्वच्छता और परिवार कल्याण के कार्यक्रम का संचालन —
- 25. कृषि एवं पर्यावरण विभाजित हेतु कार्य करना —
- 26. ग्रामीण विकास सम्बन्धी आवास तथा पंचायत सम्वर्धी कार्यक्रमों का विकास और संचालन करना
- 27. शिक्षित बेरोजगारों के लिए व्यावसायिक एवं उपमित्र विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करना

उत्तर प्रदेश सरकार



उत्तर प्रदेश सरकार
राज्य विधायक संघ

दस
रुपये
रु. 10

TEN
RUPEES
Rs. 10

रूपये जन सेवा नामक ट्रस्ट के संस्थापक संसद की होशियार
से ५००० पांच हजार रुपया इस ट्रस्ट के फण्ड के रूप में
प्रदान करता है तथा आशा करता है कि अन्य सहयोगी
प्रदान इस ट्रस्ट के कार्यो की अभिप्राति हेतु इस
जन सेवा को बढ़ाने में योग्य कदम रहेंगे

अधिकांश ट्रस्ट का मुख्यालय ग्राम गोपीनाथपुर पोस्ट
बलुआ परगना नांदी महसूल जम्शुजा जिला सुलतानपुर
राज्य काठियावाड़ नामीलाग नानान नम्बर २५० ई। व निरालानगर
सुलतानपुर होगा

रूपये जन सेवा नामक ट्रस्ट में एक मुख्य प्रबंध ट्रस्टी
के सहायक ट्रस्टी होंगे मुख्य प्रबंध ट्रस्टी संस्थापक
संस्थापक होंगे कालांतर में मुख्य प्रबंध ट्रस्टी संस्थापक
के वंश का ही सुयोग्य व्यक्ति होगा अस्वस्थ भविष्यक
मुख्य ट्रस्टी से त्यागपत्र देने एवं ट्रस्ट के हित के विरुद्ध
कार्य करने पर लक्ष्मण जी आचार्य पर एव संस्थापक ट्रस्टी
की सहमति से ट्रस्टी का परिवर्तन किया जा सकता है
महत्वपूर्ण नियम बहुमत के आधार पर होंगे स्थापित ट्रस्ट

रूपये जन सेवा

रूपये जन सेवा

दस
रुपये
रु.10

TEN
RUPEES

Rs.10

INDIA

INDICIAL

स्पर्शजनरोवा नामक ट्रस्ट के संस्थापक संरक्षक की हस्त
से २००० पांच हजार रुपया इस ट्रस्ट के फण्ड के रूप में
प्रदान करता है तथा आशा करता है कि अन्य सहयोगी
द्वारा इस ट्रस्ट के कार्यों की अधिपति हेतु इस
संस्थापक को बढ़ाने में सहयोग करते रहेंगे -
उपरोक्त ट्रस्ट का मुख्यालय गाँव गोपालपुर पोस्ट
बिरुआ परगना चाँदा जिला जामुजा जिला सुलतानपुर
प्रधान कार्यालय नम्बर २५० ई/१ निराला नगर
सुलतानपुर होगा -

स्पर्शजनरोवा नामक ट्रस्ट में एक मुख्य प्रबंध ट्रस्टी
व दो सहायक ट्रस्टी होंगे मुख्य प्रबंध ट्रस्टी संस्थापक
संस्थापक होने के बाद अथवा मुख्य प्रबंध ट्रस्टी संस्थापक
के वंश वा ही सुयोग्य व्यक्ति होगा अस्वस्थ अधिपक
मृत्यु के बाद से आगम्य होने एवं ट्रस्ट के हितके विरु
धार्थ करने पर लक्ष्य के आधार पर व संस्थापक ट्रस्टी
की सहमति से ट्रस्टी का परिवर्तन किया जा सकता है
गठबंधन निर्णय व हुनत के आधार पर होंगे स्थापित ट्रस्ट

कृपया ध्यान दें

कृपया ध्यान दें



माता प्रसाद (UTTAR PRADESH)

4124 252234

आपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु धन संग्रह देना-विदेशी आभ जनता एवं संस्थाओं से धन के रूप में एवं अनुभव के रूप में करेगा कि सौ प्रकार की भूमि व भवन व अन्य प्रकार का दान/पदार्थ संग्रह के हेतु भी हो सकता है - वस्तु सदैव सभ्यता का पारदर्शी दिखाव रखेगा तथा भविष्य अधिनार प्राप्त लोगों से उसकी जांच करायेगा उक्त दस्त की धनराशि का प्रयोग बहु तथैक मा आन्ध्र प्रदेश में जमा की जा सकती है तथा उक्त धनराशि (आवश्यकतानुसार) संग्रह पापक इस्तेमाल किसी अन्य-सहायक इस्तेमाल के संग्रह इस्तेमाल से निवारण जयिगी वस्तु की सम्पत्ति को अतिक्रमण प्रयोग में नहीं जाना जा सकेगा सहायक इस्तेमाल को संज्ञा दी होगी -

- 1- श्रीमती आमा देवी यल्लो आ उदयमान द्विवेदी निवासिनी -
मकान नं० २१० ई/पनिरालानगर सुलतानपुर
- 2- आजी कुमार द्विवेदी पुत्र श्री उदयमान द्विवेदी निवासिनी -
मकान नं० २१० ई/पनिरालानगर सुलतानपुर

श्रीमती आमा देवी

श्रीमती कुमार द्विवेदी

संलग्न की विधायी (विचारणीय)

संलग्न की विधायी (विचारणीय) एवं निष्पत्ति

दस
रुपये

₹. 10

INDIAN

आयिक

TEN
RUPEES

Rs. 10

INDICIAL

इस इस्ट की बैंक अंतर्गत कम से कम शकवार
 अनिवार्य रूप से होगी तथा आवश्यकतानुसार प्रबंध
 प्रत्येक द्वारा सभी कलकत इस्टियों को दसदिनपूर्व
 सूचना देकर कभी भी बैंक आइल की जा सकती है -
 यह इस्ट अपने को विभिन्न सम्बन्धित विभागों में
 आवश्यकतानुसार पंजीकृत करायेगा
 इस इस्ट की मुख्यालय/कार्यालय तथा सम्बन्धित
 अन्य भवन हेतु भूमि/भवन क्रय करने व किराये पर
 लेने का अधिकार होगा तथा इस्ट के उत्पादन हेतु अन्य
 वैधानिक संसाधन का प्रयोग का अधिकार होगा यह
 इस्ट अपने मूल उद्देश्यों को प्राप्त हेतु सहित्प्रवाण
 व वितरण न ले का पूर्ण अधिकारी होगा इस्ट अपने महान्
 कार्मचारि नियुक्त करे तथा उन्हें पारिश्रमिक देने व अपने
 मूल उद्देश्यों को प्राप्त हेतु सम्पूर्ण विषय में कार्य करने
 के लिए अधिकृत होगा किसी भी भी इस्टीरी नियुक्त

इन्वरी क्लक विधि



इन्वरी क्लक विधि

1940-40 वि. 3 (अ. 2)

धन विभाग कलकता

भारतीय

व्यायिक

दस
रुपये

रु. 10

TEN
RUPEES

1952 7038

Rs. 10

INDIA

INDIA

आम्रपाल, UTTAR PRADESH

41A/292236

संस्थापक इस्वी की-हेसिंग से किसी सुयोग्य व्यक्ति को उसकी इस्वी के आ-दिता भावना को देखकर की जा सकती है स्थापित शिवा इस्वी ग्राम गोपनापुर पोस्ट बरुआ परमना गादा तहसील लम्भुआ जिला सुलतानपुर उत्तर प्रदेश की ओर से भै ईश्वरीनूअर द्विवेदी सुत जी उदय शान द्विवेदी निवास ग्राम गोपनापुर पोस्ट बरुआ संस्थापक/संस्थापक इस्वी की हेसिंग से अपनी पूर्ण स्वल्प भनलुई की दशाभे-प्रसन्ना पूर्वक यह जमा-सफल देख दिया कि प्रमाण रैटतण समझ पर काम जाये

तारीख तहरीर -- 08/05/2002 ई०

लेखक -- देवेन्द्र कुमार सिंह 53 लोकेट रजि० संख्या

U.P. 993 ई०/2002 तहसील लम्भुआ सुलतानपुर

ईश्वरी नूअर द्विवेदी

देवेन्द्र कुमार सिंह



राज्य सेवा विभाग (उत्तर प्रदेश)

आम्रपाल, उत्तर प्रदेश

Handwritten signature and text at the bottom of the page.

विक्रेता एवं खेता के गोलियों के निशान

क्र.सं.	विक्रेता प्रथम पक्ष				
	जंगल	सर्जनी	गंधावा	अनामिका	कनिष्ठिका
दायां हाथ					
बायां हाथ					

रवीन्द्र कुमार

क्र.सं.	खेता द्वितीय पक्ष				
	जंगल	सर्जनी	गंधावा	अनामिका	कनिष्ठिका
दायां हाथ					
बायां हाथ					

रवीन्द्र कुमार

संजय कुमार इन्ड्रे

मनीष कुमार मिश्रा

एन० को० गिरी (हस्ताक्षर)
 एन० निरंजन २०१७/१८